तूं दूल्हा मैं तेरी दुल्हन
छोड़ा अपना वतन,धारे माया के तन
अब तड़प ऱही विरहिन

1- तन रूहों ने माया का धारण किया
संग रुहों के आप पधारे पिया
देकर इलम लुदन्नी जगाते हो तुम
आड़े आता है माया का तन

2- तन धनी ने भी माया का धारण किया
देखे अवगुण जिन्होंने ना कुछ ले सका
जिसने माया में रहकर के पहचान की
वो इत उत हैं धंन धंन

3- तन छोड़ के रूह यह निकलती नहीं
बंधी है हुकम की हिल सकती नहीं
डोरी हाथ में तेरे है मेरे पिया
तेरे चरणों में निकलेगा दम

Nijanand App